तर्ज- तेरे प्यार की तमन्ना

दीदार की तमन्ना रूह सकून तब ही पाए
धनी कब वतन चलोगे अब यहां ऱहा न जाए

1- जी भर के इस चमन की रौनक बहार देखी
वीरान सा लगा सब जब तुम नजर न आए

2- नजरों से पी रही थी मैं जामें अर्श वाहेदत
नजरें हटी उधर से तब रूह तड़फड़ाये

3- तूने वजूद पर ही कोई टोना करके रखा
पहचानना भी मुश्किल कोई विरला ही जान पाए

4- नजरें करम से तेरी कुछ बोल बोलती हूं
झूठे वजूद का भी कोई बोल तुमको भाए

Nijanand App